Ministry of Women and Child Development
Government of India

सत्यमेव जयते
Goverment Of India

Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar
प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

Lauding the Excellence of India's Children

भारतीय बच्चों का प्रशस्ति उत्सव

PRADHAN MANTRI
RASHTRIYA
BAL PURASKAR
2021

प्रधान मंत्री
राष्ट्रीय
बाल पुरस्कार
2021

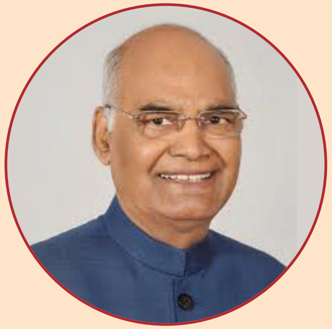

राष्ट्रपति
भारत गणतंत्र
PRESIDENT
REPUBLIC OF INDIA

MESSAGE

I am happy to learn that the Ministry of Women and Child Development is recognizing the talent and exceptional achievements of children in the form of Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar, 2021.

In the backdrop of challenging times, children are the torch bearers of hope and aspirations. Their success and achievements in varied fields is assuring that our country's future is not just promising but in secure hands. I commend the efforts of the Government for acknowledging the amazing talent of children in the field of academics, art and culture, bravery, sports innovations and social service. I am confident that such children will set new standards of human accomplishments, while contributing to the progress of our society, country and the world.

I am hopeful that the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar, 2021 would not only motivate the winners, but will also encourage millions of other young children to dream, aspire and stretch their limits. Let us all do our personal best to take our nation to new zenith of success and prosperity.

I congratulate the winners, their parents and teachers for their outstanding accomplishments.

(Ram Nath Kovind)

New Delhi
January 23, 2021

राष्ट्रपति
भारत गणतंत्र
PRESIDENT
REPUBLIC OF INDIA

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, बच्चों को उनकी प्रतिभा और असाधारण उपलब्धियों हेतु, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार, 2021 से सम्मानित कर रहा है।

इस चुनौतीपूर्ण समय में, बच्चे आशा और आकांक्षाओं के मशाल वाहक की भूमिका में हैं। विभिन्न क्षेत्रों में उनकी सफलता और उपलब्धियों से यह विश्वास जागृत होता है कि हमारे देश का भविष्य उज्ज्वल होने के साथ-साथ सुरक्षित हाथों में है। मैं शिक्षा, कला और संस्कृति, बहादुरी, खेल, नवाचार तथा समाज सेवा के क्षेत्र में बच्चों की अद्भुत प्रतिभा के सम्मान के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना करता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि ऐसे बच्चे हमारे समाज, देश और विश्व की प्रगति में योगदान देते हुए मानव उपलब्धियों के नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे।

मुझे आशा है कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार, 2021 से न केवल इसके विजेता प्रेरित होंगे, बल्कि लाखों अन्य बच्चे भी सपने देखने, अपनी आकांक्षाओं को नयी उड़ान और अपनी सीमाओं को और विस्तार देने के लिए प्रोत्साहित होंगे। आइए हम अपने राष्ट्र को सफलता और समृद्धि के नए शिखर पर ले जाने के लिए अपना सर्वोत्तम प्रयास करें।

मैं पुरस्कार विजेताओं, उनके माता-पिता और शिक्षकों को इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए बधाई देता हूं।

(राम नाथ कोविन्द)

नई दिल्ली
23 जनवरी, 2021

प्रधान मंत्री
Prime Minister

Message of Hon'ble Prime Minister of India

I am pleased to learn that Ministry of Women and Child Development is felicitating children with the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 in recognition of their exceptional accomplishments in the fields of innovation, scholastic achievements, sports, arts & culture, social service and bravery.

Children are the ambassadors of culture, values and sustained progress of the nation, who unlock the doors of immense possibilities with their merit and commitment. The Bal Puraskar Awardees have done exceptional work in different categories. The success achieved by these young fellows is merely a milestone which will lay the foundation of an indomitable future. All these children will contribute immensely to the betterment of society and Nation as ideal citizens, while taking steps for comprehensive individual growth.

A golden future is evident in the children awarded with Bal Puraskar. I am glad that these children who have been awarded have understood the value of courage, dedication, co-operation, discipline and perseverance in life at a very early age and they have inspired many others.

I am confident that the winners of Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar, 2021 will play a pivotal role in building a strong nation. I wish a bright and successful future to all the children.

[Narendra Modi]

New Delhi
Magh 03, Shak Samvat 1942
23 January, 2021

प्रधान मंत्री
Prime Minister

संदेश

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा शिक्षा, खेल-कूद, कला-संस्कृति, समाज सेवा, अभिनव कार्यों और बहादुरी जैसे क्षेत्रों में बच्चों की विशिष्ट उपलब्धियों को पहचान दिलाने और उन्हें सम्मानित करने के लिए दिए जा रहे प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार- 2021 के बारे में जानकर प्रसन्नता हुई।

बच्चे राष्ट्र की संस्कृति, मूल्य और दीर्घकालीन प्रगति के वाहक होते हैं, जो अपनी प्रतिभा व लगन से असीम संभावनाओं के द्वार खोलते हैं। बाल पुरस्कार से सम्मानित बच्चों ने अलग-अलग क्षेत्रों में जो कार्य किए हैं वह अद्भुत है। इन नन्हे साथियों की यह सफलता महज एक पड़ाव है जो आने वाले मजबूत कल की नींव बनेगी। अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करते हुए ये सभी बच्चे आदर्श नागरिक बनकर देश व समाज की बेहतरी में अपना अमूल्य योगदान देंगे।

बाल पुरस्कार से सम्मानित बच्चों में भविष्य की एक सुनहरी तस्वीर दिखती है कि हमारी नई पीढ़ी देश को एक नई ऊँचाई पर ले जाने के लिए सही राह पर अग्रसर है। मुझे इस बात की खुशी है कि इस सम्मान को पाने वाले बच्चों ने बहुत जल्द जीवन में साहस, समर्पण, सहयोग, अनुशासन और लगन के महत्व को समझा और अनेक लोगों की प्रेरणा के स्त्रोत बने हैं।

मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार- 2021 से सम्मानित बच्चे सशक्त भारत के निर्माण में अहम् भूमिका निभाएंगे। मैं सभी बच्चों के उज्ज्वल एवं सफल भविष्य की कामना करता हूँ।

(नरेन्द्र मोदी)

नई दिल्ली
माघ 03, शक संवत् 1942
23 जनवरी, 2021

स्मृति ज़ूबिन इरानी
Smriti Zubin Irani

मंत्री
महिला एवं बाल विकास और वस्त्र
भारत सरकार
नई दिल्ली

Minister
Women & Child Development and Textiles
Government of India
New Delhi

Children are the supreme national assets. It is imperative upon any community, society or country to invest appropriately in children for them to attain their innate potential. It is equally necessary to recognise their talents and appreciate their achievements for encouraging them to progress further. The ***Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar*** is one such initiative to celebrate the immense potential of our children.

It is important for children to dream, aspire and believe in themselves for achieving the immense possibilities contained within. There is a saying in our country '*Yad Bhavam Tad Bhavati*' - you become what you believe. Do not fear intermittent hurdles or failures as these are the stepping stones to success. As the great Indian philosopher Sri Aurobindo has said "By our stumbling, the world is perfected." While appreciating the exceptional achievements of the PMRBP 2021 awardees, I call upon each child to invoke the powers within and not stop till the goal is reached.

I am glad to note that the young awardees of PMRBP 2021 have conquered daunting frontiers in the fields of academics, science, sports and art & culture. Their dedication and commitment to social causes is commendable. The selfless acts of courage and valour of the bravery awardees will certainly inspire not only children but also adults to favour humanity above the rest, in any situation.

The parents, teachers and families of these young achievers merit our gratitude for working tirelessly to support these young Indians find their niche. I extend my compliments to them.

I congratulate all the winners of the ***Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar*** **2021**, and wish them a healthy, happy & bright future.

Jai Hind!

(Smriti Zubin Irani)

स्मृति ज़ूबिन इरानी
Smriti Zubin Irani

मंत्री
महिला एवं बाल विकास और वस्त्र
भारत सरकार
नई दिल्ली

Minister
Women & Child Development and Textiles
Government of India
New Delhi

बच्चे राष्ट्र की सर्वोत्तम निधि होते है।

किसी भी समुदाय अथवा देश की प्रगति के लिए बच्चों में निवेश करना अति आवश्यक है, जिससे वह अपनी आंतरिक क्षमता को विकसित कर सकें। उनकी प्रतिभाओं और उनकी उपलब्धियों को प्रोत्साहित करना भी उनके विकास के लिए आवश्यक है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार बच्चों में असीम प्रतिभाओं को उजागर करने की एक ऐसी ही कोशिश है।

अपने अंदर छुपी हुई अपार शक्तियों के विकास हेतु बच्चों का सपने देखना, हौसला रखना और अपने आप में विश्वास रखना अति आवश्यक है। हमारे देश में एक कहावत है "यद् भावम् तद् भवति' अथार्त आप जैसा सोचते है वैसा ही बनते है। बीच में आने वाली कठिनाइयों और बाधाओं से ना डरें क्यूंकि वे सफलता के सोपान है। भारत के महान दार्शनिक श्री अरबिंदो ने कहा है कि हमारी असफलताएं विश्व के परिमार्जन में सहायक बनती है।

आज प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 के विजेताओं की अनुपम उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए मैं हर बच्चे को आह्वान करती हूँ की वह अपने मन की ताकत को पहचाने और तब तक न रुके जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो। मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हो रही है की प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 विजेताओं के साहस तथा शौर्यपूर्ण निस्वार्थ कार्य न सिर्फ बच्चों को प्रेरित करेंगे अपितु सभी को मानवता को किसी भी अवस्था में सर्वोपरि रखने का संदेश देंगे।

इन नन्हे विजेताओं के अभिभावकों, गुरुजनों एवं परिवार भी हमारी कृतज्ञता के पात्र है, जिन्होंने इन नन्हे भारतीयों को अपना लक्ष्य प्राप्त करने के लिए बिना थके सहायता की। मैं उन सभी का अभिवादन करती हूँ।

मैं प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 के सभी विजेताओं को बधाई देती हूँ और उनके स्वस्थ, सुखी एवं सुनहरे भविष्य की कामना करती हूँ।

जय हिन्द।

(स्मृति ज़ूबिन इरानी)

Ministry of Women & Child Development : Dr. Rajendra Prasad Road, Shastri Bhawan, New Delhi-110 011
Room No. 32, Udyog Bhawan, New Delhi-110 011
Ministry of Textiles : Room No. 129, 'D' Wing, Udyog Bhawan, New Delhi-110011, Phone : 23061385, 23063779, Fax : 23061575

देबश्री चौधुरी
DEBASREE CHAUDHURI

सत्यमेव जयते

राज्य मंत्री
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
भारत सरकार
नई दिल्ली–110001
MINISTER OF STATE
MINISTRY OF WOMEN & CHILD DEVELOPMENT
GOVERNMENT OF INDIA
NEW DELHI-110001

Message

Date:22/01/2021

Gurudev Rabindra Nath Tagore had once said *'Don't limit a child to your learning for she was born in another time'*. Children have immense possibilities like a seed, which carries the mighty tree within. It is necessary to treat each one of them as unique individuals and provide them with adequate opportunity and guidance since they have immense potential to contribute to society and humanity.

The ***Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar*** aims at celebrating the talent, hard work and spirit in the children of our nation. I congratulate all the winners of PMRBP 2021, who have proved their mettle this year. I wish them the very best for their future life. I hope that these children would become responsible citizens of our nation and would play a leading role in making India a resilient and strong nation. I would also encourage children to believe in themselves and unleash their potential to reach their goals.

I once again extend my compliments to all the winners along with their families and wish them a healthy, prosperous and bright future ahead.

Jai Hind!

Debasree Chaudhuri

(DEBASREE CHAUDHURI)

(देवश्री चौधरी/DEBASREE CHAUDHURI)
राज्य मंत्री
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
Minister of State
Ministry of Women & Child Dev.
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

कार्यालय : कमरा नं. 756, 'ए' विंग, शास्त्री भवन, डा. राजेन्द्र प्रसाद रोड़, नई दिल्ली–110 001, दूरभाष : 23382361–63, फैक्स : 23357854
Off. : Room No. 756, 'A' Wing, Shastri Bhavan, Dr. Rajendra Prasad Road, New Delhi-110 001, Tel. : 011-23382361-63, Fax. : 011-23357854
E-mail : debasree.chaudhuri@gov.in

देबश्री चौधुरी
DEBASREE CHAUDHURI

सत्यमेव जयते

राज्य मंत्री
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
भारत सरकार
नई दिल्ली–110001
MINISTER OF STATE
MINISTRY OF WOMEN & CHILD DEVELOPMENT
GOVERNMENT OF INDIA
NEW DELHI-110001

संदेश

गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने एक बार कहा था की अपने अनुभव के आधार पर बच्चे की सीमाएं मत निर्धारित करे क्योंकि उसने एक अलग काल में जन्म लिया है। जिस प्रकार एक बीज में एक शक्तिशाली वृक्ष छिपा रहता है उसी प्रकार बच्चों में भी असीमित क्षमताएं होती है। अत: ये आवश्यक है की हर बच्चे की अनोखी पहचान का सम्मान करते हुए उसे अवसर और मार्गदर्शन दिया जाये जिससे वह अपनी अद्भुत क्षमताओं द्वारा समाज व मानवता के प्रति कार्य कर सके। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार भारत वर्ष में बच्चों की प्रतिभाओं , परिश्रम और चेतना का उत्सव है।

मैं प्रधान मंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के सभी विजेताओं को बधाई देती हूँ, जिन्होंने इस वर्ष अपनी योग्यता सिद्ध की है। मैं उनके आगामी जीवन के लिए बधाई देती हूँ। मैं आशा करती हूँ, कि यह बच्चे हमारे देश के जिम्मेदार नागरिक बनेंगे और भारत को एक सुदृढ व शक्तिशाली राष्ट्र बनाने में प्रमुख भूमिका निभाएंगे। मैं सभी बच्चों का आह्वान करती हूँ की वे अपने आप पर भरोसा रखें और अपने लक्ष्य को पाने के लिए पूरी शक्ति लगा दें।

मैं एक बार पुनः सभी विजेताओं और उनके परिवार की सराहना करती हूँ, और सभी के स्वस्थ, समृद्ध और सुन्दर भविष्य की कामना करती हूँ।

जय हिन्द।

देबश्री चौधुरी

(देबश्री चौधुरी)

कार्यालय : कमरा नं. 756, 'ए' विंग, शास्त्री भवन, डा. राजेन्द्र प्रसाद रोड़, नई दिल्ली–110 001, दूरभाष : 23382361–63, फैक्स : 23357854
Off. : Room No. 756, 'A' Wing, Shastri Bhavan, Dr. Rajendra Prasad Road, New Delhi-110 001, Tel. : 011-23382361-63, Fax. : 011-23357854
E-mail : debasree.chaudhuri@gov.in

PRADHAN MANTRI RASHTRIYA BAL PURASKAR 2021

प्रधान मंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021

ART & CULTURE/ कला एवं संस्कृति	9
BRAVERY/ वीरता	17
INNOVATION/ नवाचार	21
SCHOLASTICS/ ज्ञानार्जन	31
SOCIAL SERVICE/ समाज सेवा	37
SPORTS/ खेल	39

ART & CULTURE
कला एवं संस्कृति

AMEYA LAGUDU

Kumari Ameya Lagudu is 12 years old and a native of Visakhapatnam, Andhra Pradesh. She is a classical dancer and has been learning the South Indian classical dance forms of Bharatanatyam and Kuchipudi since the age of four. She performed her *arangetram* when she was six with 14 traditional dance items in 2 hours, 45 minutes. She has eight international and nine national awards in her name, including the Asia Book of Records, India and the Guinness World Record for the largest Kuchipudi dance that had 6,117 participants [Silicon Andhra (USA)].

Kumari Ameya Lagudu is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for her excellence in the field of Art & Culture.

अमेया लगुडू

कुमारी अमेया लगुडू 12 साल की हैं और आंध्र प्रदेश के विशाखापट्नम जिले से हैं। वह एक शास्त्रीय नर्तकी हैं और 4 साल की उम्र से ही दक्षिण भारतीय शास्त्रीय नृत्य भरतनाट्यम और कुचिपुड़ी सीख रही हैं। इन्होंने छह साल की उम्र में 2 घण्टे 45 मिनट में 14 पारंपरिक नृत्य आइटमों के साथ अपने अरंगेत्रम का प्रदर्शन किया। इनके नाम कुल 8 अंतर्राष्ट्रीय और 9 राष्ट्रीय पुरस्कार हैं, जिनमें एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, भारत और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हैं, जो इन्हें सबसे बड़े कुचिपुड़ी नृत्य के लिए मिला, जिसमें 6,117 प्रतिभागी थे।

कुमारी अमेया लगुडू को कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

ANURAG RAMOLA

Master Anurag Ramola is a 16-year-old painter from Dehradun district of Uttarakhand. He holds the World Record, India for being the youngest child to win the maximum online art competitions during lockdown. His exhibition on examination stress at Talkatora Stadium, New Delhi in January 2020 during 'Pariksha Pe Charcha' was appreciated by the Hon'ble Prime Minister of India. He has won 15 international and 34 national awards in the field of art.

Master Anurag Ramola is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for his excellence in the field of Art & Culture.

अनुराग रमोला

मास्टर अनुराग रमोला उत्तराखंड के देहरादून जिले से एक 16 वर्षीय चित्रकार हैं। वे लॉकडाउन के दौरान अधिकतम ऑनलाइन कला प्रतियोगिताओं में जीतने वाले सबसे कम उम्र के छात्र हैं और यह वर्ल्ड रिकॉर्ड भारत के पास है। जनवरी 2020 को तालकटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली में परीक्षा तनाव पर हुई इनकी प्रदर्शनी को 'परीक्षा पे चर्चा' के दौरान भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा भी सराहा गया। अनुराग ने कला के क्षेत्र में 15 अंतर्राष्ट्रीय और 34 राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं।

मास्टर अनुराग रमोला को कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

HRUDAYA R. KRISHNAN

Kumari Hrudaya R. Krishnan is a 17-year-old veena player from Thiruvananthapuram district of Kerala. She has received many prestigious awards for her presentation in the veena. She received the 'Sangeetha Nakshatra' title from the Universal Cultural Arts and Foundation after her veena recital at Madurai Meenakshi Amman Temple. She was the first to receive the Ujjwala Balyam Award, which is Kerala state's highest child award. She has performed many *katcheris* in veena during the temple festivals, in various *sangeetha sabhas* in Kerala, Tamil Nadu and Puducherry.

Kumari Hrudaya R. Krishnan is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for her excellence in the field of Art & Culture.

हृदया आर. कृष्णन

केरल के तिरुवनंतपुरम जिले की 17 साल की कुमारी हृदया आर. कृष्णन एक वीणा वादक हैं। इन्हें वीणा प्रस्तुति के लिए कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले हैं। इन्हें मदुरै मीनाक्षी अम्मन मंदिर में वीणा वादन के बाद यूनिवर्सल कल्चरल आर्ट्स एंड फाउंडेशन से 'संगीता नक्षत्र' का खिताब मिला। वह केरल राज्य का सर्वोच्च बाल पुरस्कार, उज्जवला बाल्यम पुरस्कार, पाने वाली पहली लड़की थीं। हृदया ने केरल, तमिलनाडु और पुदुचेरी में विभिन्न संगीत सभाओं और मंदिरों के उत्सवों के दौरान वीणा में कई कत्चेरी का प्रदर्शन किया है।

कुमारी हृदया आर. कृष्णन को कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

SOUHARDYA DE

Master Souhardya De is 16 years old and hails from Medinipur West district of West Bengal. He is an Indian author of historical fiction and mythology, and an art and culture columnist. He always aims to revive and reinvigorate Indian heritage and culture by rewriting Indian mythology and history in a way that is appealing to today's generation.

Souhardya is the youngest ever Fellow of the Royal Asiatic Society of Great Britain and Ireland. He has been regularly writing columns for the *Sunday Guardian*, Scroll.in and other notable publications. For his second book titled *Chronicles of Suryavansh*, he was awarded by the India Book of Records in 2019.

Master Souhardya De is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for his excellence in the field of Art & Culture.

सौहार्द्य डे

पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले में रहने वाले मास्टर सौहार्द्य डे 16 साल के हैं। वे ऐतिहासिक एवं पौराणिक कथाओं के भारतीय लेखक और कला व संस्कृति के स्तंभकार हैं। वह हमेशा भारतीय पौराणिक कथाओं और इतिहास का पुनर्लेखन करके भारतीय विरासत और संस्कृति को पुनर्जीवित और पुनः प्रचलित करने का लक्ष्य रखते हैं, जो आधुनिक पीढ़ी को आकर्षित कर सके। सौहार्द्य रॉयल एशियाटिक सोसाइटी ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एंड आयरलैंड के सबसे कम उम्र के फ़ेलो हैं। सौहार्द्य की उपलब्धियों में, संडे गार्जियन, स्क्रॉल.इन और अन्य उल्लेखनीय प्रकाशनों के लिए कॉलम लिखना शामिल है। उनकी दूसरी पुस्तक ''सूर्यवंश का इतिहास' के लिए उन्हें 2019 में इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा सम्मानित किया गया।

मास्टर सौहार्द्य डे को कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

TANUJ SAMADDAR

Master Tanuj Samaddar, is a 16-year-old talented artist from Kamrup district of Assam. He paints with not just colour pencils, oil and water colours, but with charcoal and acrylic as well. His artworks have been exhibited in renowned art galleries all over the world and he has bagged prizes from many international organisations based in different countries. He has won 10 international and 35 national awards in the field.

Master Tanuj Samaddar is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for his excellence in the field of Art & Culture.

तनुज समद्दार

मास्टर तनुज समद्दार असम के कामरुप जिले के रहने वाले प्रतिभाशाली कलाकार हैं। वह सिर्फ कलर पेंसिल, तेल और पानी के रंग से ही नहीं, बल्कि कोयला और एक्रिलिक के साथ भी चित्र बनाते हैं। इनकी कलाकृतियां विभिन्न विश्व–प्रसिद्ध चित्रशालाओं में प्रदर्शित की गई हैं और उन्हें विभिन्न देशों के कई अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से पुरस्कार मिले हैं। इन्होंने इस क्षेत्र में कुल 10 अंतर्राष्ट्रीय और 35 राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल किए हैं।

मास्टर तनुज समद्दार को कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

VENISH KEISHAM

Kumari Venish Keisham is a 15-year-old budding painter from Imphal West district of Manipur. She has won several competitions, including first position in the International Online Art Contest 2020 organised by Akm Kala Sangh, Pathankot, Punjab, India, second position in an international level Online Cartooning Competition organised by Art Affina in collaboration with Khalsa College of Education, Amritsar, and Renaissance Award in International Online Drawing Competition organised by Creative Canvas, 2020.

Kumari Venish Keisham is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for her excellence in the field of Art & Culture.

वनीश कीशम

मणिपुर के पश्चिम इंफाल जिले में रहने वाली 15 वर्ष की कुमारी वनीश कीशम एक उभरती चित्रकार हैं। इन्होंने कई प्रतियोगिताओं में जीत हासिल की है, जिनमें अकम कला संघ, पठानकोट, पंजाब, भारत द्वारा आयोजित इंटरनेशनल ऑनलाइन आर्ट कांटेस्ट 2020 में प्रथम स्थान; खालसा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, अमृतसर के सहयोग से आर्ट अफिना द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन कार्टूनिंग कॉम्पटिशन में दूसरा स्थान; और क्रिएटिव कैनवस, 2020 द्वारा आयोजित इंटरनेशनल ऑनलाइन ड्राइंग कॉम्पटिशन में रिनेसांस अवार्ड शामिल हैं।

कुमारी वनीश कीशम को कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

VYOM AHUJA

Master Vyom Ahuja is 10 years old and belongs to Lucknow, Uttar Pradesh. He has made 28 national records in the India Book of Records, many of which are in the field of memory and others in the field of music. His name is in six consecutive publications of India Book of Records. He has also made three records in the Asia Book of Records – youngest to play nine musical instruments at the age of nine; youngest (at 9+ years) to do bungee jumping from the world's highest bungee jumping point in Macau Tower; and for making an algorithm with knight moves on the chess board, for which he has been honoured with the title of Grand Master by the World Record University. His name was in the list of the top 100 record holders of the India Book of Records for two consecutive years (2017 and 2018).

Master Vyom Ahuja is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for his excellence in the field of Art & Culture.

व्योम अहूजा

लखनऊ, उत्तर प्रदेश में रहने वाले मास्टर व्योम अहूजा 10 साल के हैं। इन्होंने इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में 28 राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए हैं, जिनमें से अधिकांश स्मरणशक्ति के क्षेत्र में और अन्य संगीत के क्षेत्र में हैं। इनका नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में लगातार छह प्रकाशनों में शामिल किया गया है। व्योम ने एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी तीन रिकॉर्ड बनाए हैं – नौ साल की उम्र में नौ संगीत वाद्ययंत्र बजाने वाले सबसे छोटे उम्र के लिए, मकाऊ टॉवर में दुनिया के सबसे ऊँचे बंजी जंपिंग पॉइंट से बंजी जंपिंग करने वाले सबसे कम उम्र (9 वर्ष) के लिए और शतरंज बोर्ड पर शूरवीर चाल के साथ एक एल्गोरिदम बनाने के लिए, जिसके लिए इन्हें वर्ल्ड रिकॉर्ड युनिवर्सीटी द्वारा ग्रैंड मास्टर की उपाधि से भी सम्मानित किया गया है। इनका नाम लगातार दो वर्षों (2017 और 2018) तक इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के 100 रिकॉर्ड धारकों की मुख्य सूची में था।

मास्टर व्योम अहूजा को कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

BRAVERY
वीरता

JYOTI KUMARI

Jyoti Kumari is a 16-year-old girl from Darbhanga district of Bihar. She might seem like any other girl of her age, but the courage and strength that she displayed by covering 1,200 kms on a bicycle, that too with her ailing father on the rear seat, cannot be described in words. During the COVID-19 lockdown, she traversed 1,200 kms from Sikandarpur in Haryana to Darbhanga in Bihar to reach home. Hearing about her, the Cycling Federation of India even offered a trial to her, though she wishes to complete her matriculation first.

Jyoti Kumari is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for her excellence in the field of Bravery.

ज्योति कुमारी

16 साल की ज्योति कुमारी बिहार के दरभंगा जिले की हैं। हालाँकि वो अपनी उम्र की अन्य किसी लड़की की तरह ही दिखती हों, लेकिन इन्होंने 1,200 कि.मी. तक साईकिल चला कर जो हिम्मत और ताकत दिखाई हैं, वो भी अपने बीमार पिता को पीछली सीट पर बिठा कर, उसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। COVID–19 लॉकडाउन के दौरान, ज्योति ने हरियाणा के सिकंदरपुर से बिहार के दरभंगा तक का 1,200 कि.मी. का सफर तय किया। ज्योति की इस उपलब्धि के बारे में सुनकर, साईकिल फेडरेशन ऑफ इंडिया ने उन्हें ट्रायल की पेशकश की, लेकिन पहले वह अपनी दसवीं कक्षा पूरी करना चाहती हैं।

ज्योति कुमारी को वीरता के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

KAMESHWAR JAGANNATH WAGHMARE

Master Kameshwar Jagannath Waghmare is a 14-year-old boy from Nanded district of Maharashtra. His is a story of courage and promptness. He saved two out of three boys from drowning in Manar river. They had gone swimming but could not estimate the depth of the water. Without caring for his own life, Kameshwar jumped into the river and pulled out two boys elder to him in age. He risked his own life but managed to save two lives.

Master Kameshwar Jagannath Waghmare is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for his excellence in the field of Bravery.

कामेश्वर जगन्नाथ वाघमारे

14 वर्षीय मास्टर कामेश्वर जगन्नाथ वाघमारे महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले से हैं। यह कहानी इनकी हिम्मत और मुस्तैदी की है। इन्होंने मनार नदी में तीन में से दो लड़कों को डूबने से बचाया। वे वहां तैराकी के लिए गए थें लेकिन पानी की गहराई का अनुमान नहीं लगा सके। अपनी जान की परवाह किए बिना कामेश्वर ने नदी में छलांग लगा दी और अपने से आयु में बड़े दो लड़कों को बाहर निकाल लिया। कामेश्वर अपनी जान जोखिम में डाल कर, दो जानें बचाने में सफल रहे।

मास्टर कामेश्वर जगन्नाथ वाघमारे को वीरता के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

KUNWAR DIVYANSH SINGH

Master Kunwar Divyansh Singh is 15 years old and hails from Barabanki district of Uttar Pradesh. He showed exemplary courage in saving his sister and seven other children, who were returning from school, from a dreaded bull. Without caring about his arm that got broken while fighting with the bull, he managed to drive away the raging bull and saved the children.

Master Kunwar Divyansh Singh is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for his excellence in the field of Bravery.

कुंवर दिव्यांश सिंह

मास्टर कुंवर दिव्यांश सिंह की उम्र 15 साल है और वे उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले से हैं। इन्होंने अपनी बहन और सात अन्य बच्चों को, जो स्कूल से लौट रहे थे, एक खूँख़ार बैल से बचाने के लिए बेहद ही साहसिक क़दम उठाया। बैल से लड़ते समय हाथ टूट जाने के बावजूद, इन्होंने उस ख़तरनाक बैल को भगाया और बच्चों की जान बचाई।

मास्टर कुंवर दिव्यांश सिंह को वीरता के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

INNOVATION

नवाचार

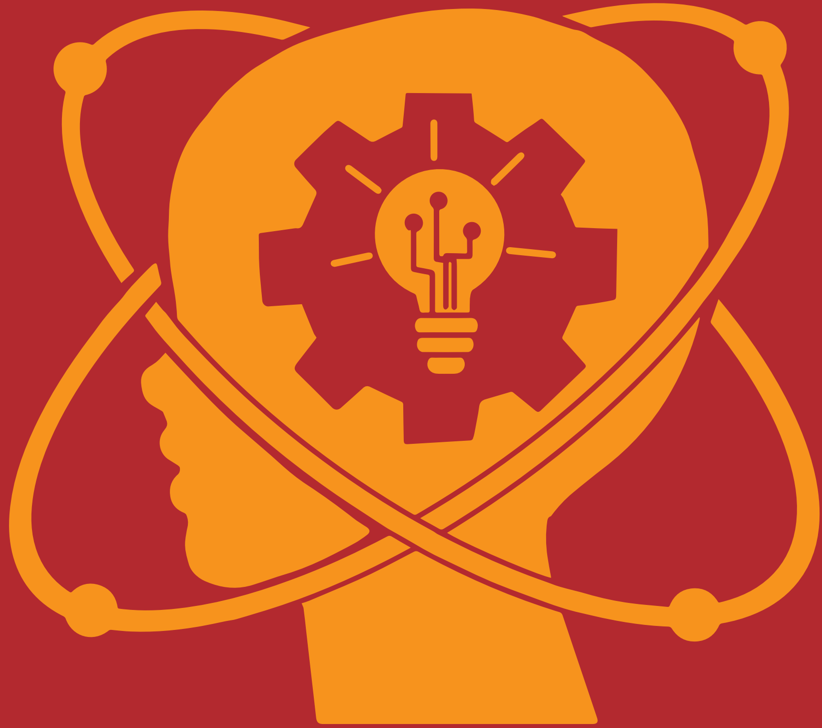

ARCHIT RAHUL PATIL

Master Archit Rahul Patil is a 14-year-old innovator from Jalgaon district of Maharashtra. Measuring the exact blood loss is very vital in the treatment of postpartum haemorrhage, especially in the golden hour. His project 'Postpartum Cup: A Novel Way to Estimate the Obstetric Blood Loss Accurately and Save Maternal Life in Golden Hour' involves exact and real time measurement of the blood loss after delivery by using a simple device – Postpartum Cup. It is a silicone cup that is cash-free, rash-free and trash-free. Moreover, it can be autoclaved and reused. It is being successfully used by maternity hospitals and medical colleges. Archit has been awarded at various levels, including the Youngest Innovator MS Signature Award 2020.

Master Archit Rahul Patil is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for his excellence in the field of Innovation.

अर्चित राहुल पाटिल

मास्टर अर्चित राहुल पाटिल महाराष्ट्र के जलगांव जिले में रहने वाले 14 वर्षीय युवा नवाचारक हैं। प्रसवोत्तर रक्तस्राव के उपचार के दौरान सही तरीके से खून हानि को मापना बहुत महत्वपूर्ण है, खास तौर पर शुरुआती समय में। अर्चित के प्रोजेक्ट 'पोस्टपार्टम कप : अ नॉवल वे टू एस्टीमेट द ऑबस्टेटरिक ब्लड लॉस एक्यूरेटली एण्ड सेव मेटरनल लाईफ इन गोल्डन आवर' में एक साधारण उपकरण का उपयोग करके प्रसव के बाद खून की हानि का सटीक और वास्तविक समय मापा जा सकता है। यह एक सिलिकॉन कप है जो कैश–फ्री, रैश–फ्री और ट्रैश–फ्री है। इसके अलावा इसे ऑटोक्लेव करके पुनः उपयोग किया जा सकता है। इसका उपयोग मातृत्व अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों द्वारा सफलतापूर्वक किया जा रहा है। अर्चित को विभिन्न स्तरों पर सम्मानित किया गया है, जिसमें यंगेस्ट इनोवेटर एम.एस. सिग्नेचर अवार्ड 2020 भी शामिल है।

मास्टर अर्चित राहुल पाटिल को नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

AYUSH RANJAN

Master Ayush Ranjan is a 15-year-old serial innovator from East Sikkim district, whose interest lies in software development. Till now, he has developed many award winning softwares for which he has been felicitated at the national level, including DigiSmart Bin, a garbage billing platform which bills on how much you throw; Auto LPG Refilling, in which along with a device made by him, one can place the LPG cylinder order before exhausting and thus save delivery time; and MushroomArc, under which he has made a Mushroom Artificial Intelligence (AI) Classifier which classifies edible and poisonous mushrooms, thus saving millions of lives around the globe.

Master Ayush Ranjan is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for his excellence in the field of Innovation.

आयुष रंजन

सिक्किम के पूर्व जिले में रहने वाले 15 साल के मास्टर आयुष रंजन एक नवाचारक हैं, जिनकी रुचि सॉफ्टवेयर बनाने में है। अब तक, इन्होंने कई पुरस्कार पाने योग्य सॉफ्टवेयर विकसित किए हैं, जिसके लिए इन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। आयुष ने 'डिजीस्मार्ट बिन' यानि एक कचरा बिलिंग प्लेटफॉर्म का निर्माण किया जो आपको कूड़ा फेंकने के अनुसार बिल देता है; 'ऑटो एलपीजी रीफिलिंग', जिसमें इनके द्वारा बनाए गए उपकरण की मदद से एल.पी.जी. सिलेंडर का ऑर्डर उसकी समाप्ति से पहले किया जा सकता है; और इस तरह से डिलीवरी का समय बच सकता है; और 'मशरुमअर्क' जिसके तहत इन्होंने एक मशरूम ए.आई. क्लासिफायर बनाया है, जो खाद्य और जहरीले मशरूम को अलग–अलग करता है, जिसकी मदद से दुनिया भर में लाखों लोगों की जान बच सकती है।

मास्टर आयुष रंजन को नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

CHIRAG BHANSALI

Master Chirag Bhansali is a 16-year-old innovator from Gautam Buddha Nagar district in Uttar Pradesh. He founded Swadeshi Tech, a platform to find Indian apps and products to support the AatmaNirbharBharat Abhiyan. The platform crossed 1.5 lakh users within a month of its launch and currently has 200+ apps and 100+ products. It has been featured in international and Indian media. Chirag has also worked on the Indian Road Safety campaign. He led a team of four students and worked on finding a solution to the accident-prone stretches of a road in Noida. He has received two international awards and nine national awards.

Master Chirag Bhansali is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for his excellence in the field of Innovation.

चिराग भंसाली

16 वर्षीय मास्टर चिराग भंसाली उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले से हैं। इन्होंने आत्म निर्भर भारत अभियान का समर्थन करने के लिए भारतीय ऐप और उत्पादों को खोजने हेतु 'स्वदेशी टेक' नामक एक मंच की स्थापना किया। इस मंच ने लॉन्च के एक महीने के भीतर 1.5 लाख उपयोगकर्ताओं को पार कर लिया और इस मंच पर वर्तमान में 200 से भी ज्यादा ऐप्स और 100 से ज्यादा उत्पाद हैं। इसे अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय मीडिया में प्रदर्शित किया गया है। चिराग ने इंडियन रोड सेफ्टी कैम्पेन पर भी काम किया है। इन्होंने चार छात्रों की एक टीम का नेतृत्व किया और नोएडा के एक सड़क के दुर्घटना संभावित हिस्सों का हल खोजने पर काम किया। चिराग को 2 अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार और 9 राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं।

मास्टर चिराग भंसाली को नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

HARMANJOT SINGH

Master Harmanjot Singh is a 13-year-old innovator from Jammu district of Jammu and Kashmir. He is passionate about applying computer programming in science, technology, engineering and mathematics (STEM) education. He is an outstanding coder and one of the youngest certified game developers and Android/iOS app developers. His app Raksha was selected for the prestigious Silicon Valley Code of Honour Certificate and was made available on Google Play Store. He has won numerous medals at international/national/ zonal levels in Olympiads. He secured the International Rank 1 and won an International Gold Medal in SOF National Cyber Olympiads 2019-20. He has won 10 international and four national awards in the field.

Master Harmanjot Singh is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for his excellence in the field of Innovation.

हरमनजोत सिंह

मास्टर हरमनजोत सिंह जम्मू और कश्मीर के जम्मू जिले में रहने वाले 13 वर्षीय नवाचारक हैं। वे विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एस.टी.इ.एम.) शिक्षा में कंप्यूटर प्रोग्रामिंग लागू करने के बारे में उत्साहित हैं। वे एक श्रेष्ठ कोडर और सबसे कम उम्र के प्रमाणित गेम डेवलपर्स और ऐन्ड्रोइड/आईओएस ऐप डेवलपर्स में से एक हैं। उनके 'रक्षा' ऐप को प्रतिष्ठित सिलिकॉन वैली कोड ऑफ ऑनर सर्टिफिकेट के लिए चुना गया था और इसे गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध किया गया था। इन्होंने ओलंपियाड में अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय/क्षेत्रीय स्तर पर कई पदक जीते हैं। इन्होंने एस.ओ.एफ. नेशनल साइबर ओलंपियाड 2019–20 में पहला इंटरनेशनल रैंक हासिल किया और इंटरनेशनल गोल्ड मेडल जीते। हरमनजोत ने इस क्षेत्र में 10 अंतर्राष्ट्रीय और 4 राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं।

मास्टर हरमनजोत सिंह को नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

HEMESH CHADALAVADA

Master Hemesh Chadalavada is a 13-year-old innovator from Ranga Reddy district in Telangana who has created a 'Smart Wristband' to monitor Alzheimer's patients after seeing his grandmother suffer from the disease. The device monitors the wandering, pulse and blood pressure (BP) of the patient and sends an automatic alert to the caregiver and doctor in case of any abnormal health condition. An app displays the patient's health status and daily reports are automatically sent to the doctor while a camera detects any falls. There is also a 'Smart Pillbox' to ensure that correct pills are given. Hemesh has two international awards including a gold medal that he won at IIIF (IIA International Innovation Fair) 2019 held at Hyderabad, Telangana and six national awards in his name. He is a member of the Telangana State Innovation Cell (TSIC) and a film is soon to be made on his life.

Master Hemesh Chadalavada is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for his excellence in the field of Innovation.

हेमेश चदलवाड़ा

मास्टर हेमेश चदलवाड़ा तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में रहने वाले एक 13 वर्षीय नवाचारक हैं, जिन्होंने अपनी दादी को बीमारी से पीड़ित देखकर अल्जाइमर रोगियों की निगरानी के लिए एक 'स्मार्ट रिस्टबैंड' बनाया है। यह डिवाइस रोगी के भटकने, नाड़ी और रक्तचाप (बी.पी.) की निगरानी करती है और किसी भी असामान्य स्वास्थ्य स्थिति के मामले में देखभाल करने वाले और डॉक्टर को एक स्वचालित चेतावनी भेजती है। एक ऐप मरीज की स्वास्थ्य स्थिति को दिखाती है और दैनिक रिपोर्ट अपने आप से डॉक्टर के पास जाती है, जबकि एक कैमरा किसी भी रुकावट का पता लगाता है। यह सुनिश्चित करने के लिए एक 'स्मार्ट पिलबॉक्स' भी है कि सही गोलियां दी गई हैं या नहीं। हेमेश के नाम 2 अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार हैं जिनमें आई.आई.आई.एफ. (आई.आई.ए. इंटरनेशनल इनोवेशन फेयर) 2019 में हैदराबाद, तेलंगाना में इन्हें स्वर्ण पदक दिया गया। इसके अलावा इनके नाम पर 6 राष्ट्रीय पुरस्कार शामिल हैं। हेमेश चदलवाड़ा तेलंगाना स्टेट इनोवेशन सेल (टी.एस.आई.सी.) के सदस्य हैं और उनके जीवन पर जल्द ही एक फिल्म बनने वाली है।

मास्टर हेमेश चदलवाड़ा को नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

NAMYA JOSHI

Kumari Namya Joshi is all of 13 years and hails from Ludhiana district of Punjab. She is essentially a gamer who began her journey by participating in national competitions related to gamification. She is the winner of the 'UNESCO Clubs Worldwide Youth Multimedia Competition' for creating a Virtual Library of Books mapped to the UN's Sustainable Development Goals or SDG 2030, among others. Her project 'Each One, Teach Ten' is a repertoire of game-based lesson plans. She was honoured by Satya Nadella, CEO, Microsoft for creating a course material in Minecraft Education Edition and STEM. She was the Guest Speaker at KEOS 2019 in Finland to conduct a presentation on 'Gamification in Education'.

Kumari Namya Joshi is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for her excellence in the field of Innovation.

नाम्या जोशी

कुमारी नाम्या जोशी 13 साल की हैं और पंजाब के लुधियाना जिले में रहती हैं। वह मूल रूप से एक गेमर हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी यात्रा शुरू की। कई अन्य प्रतियोगिताओं में विजेता रहने के अलावा, यू.एन. सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल या एस.डी.जी. 2030 से जोड़ने के लिए किताबों की एक वरचुअल लाइब्रेरी बनाने हेतु इन्हें 'यूनेस्को क्लब्स वर्ल्डवाइड यूथ मल्टीमीडिया काम्पिटिशन' में खिताब दिया गया। इनकी योजना 'इच वन, टीच टेन' खेल पर आधारित पाठ योजनाओं का एक प्रदर्शन है। नाम्या को सत्या नडेला, सी.ई.ओ., माइक्रोसॉफ्ट द्वारा माइनक्राफ्ट एजुकेशन एडिशन और एस.टी.ई.एम. में पाठ्यक्रम सामग्री बनाने के लिए सम्मानित किया गया था। वह 'गेमिफीकेशन इन एजूकेशन' पर एक प्रस्तुति का आयोजन करने के लिए फिनलैंड में के.ई.ओ.एस. 2019 में अतिथि अध्यक्ष भी थीं।

कुमारी नाम्या जोशी को नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

RAKESHKRISHNA

Master Rakeshkrishna, a 15-year-old boy from Dakshina Kannada district of Karnataka, is an innovator of sorts. He started working on projects at the age of six and has invented a novel seed sowing machine 'Seedographer' for systematic cultivation. This innovative machine enables easy and fast sowing of seeds at fixed distances. It is eco-friendly and promotes a dry sowing and lane system that saves 50% water. He has participated in many national and district level science competitions and demonstrated his skills, and also been awarded.

Master Rakeshkrishna is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for his excellence in the field of Innovation.

राकेशकृष्ण

मास्टर राकेशकृष्ण 15 वर्ष के हैं और कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ा जिले में रहते हैं। वह नए–नए प्रकार की खोज करते रहते हैं। इन्होंने छह साल की उम्र में एक प्रोजेक्ट पर कार्य शुरू किया और सही ढंग से खेती के लिए एक नई तरह के बीज बोने की मशीन 'सीडोग्राफर' का आविष्कार किया। यह नई मशीन तय दूरी पर बीज बोने और तेज बुवाई का काम आसानी से करती है। यह पर्यावरण के अनुकूल है और सूखी बुवाई और लेन प्रणाली को बढ़ावा देती है, जिससे 50 प्रतिशत पानी बचता है। राकेशकृष्ण ने कई राष्ट्रीय और जिला स्तरीय विज्ञान प्रतियोगिताओं में भाग लिया और अपने कौशल का प्रदर्शन किया, जिसके लिए उन्हें सम्मानित भी किया गया।

मास्टर राकेशकृष्ण को नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

SHREENABH MOUJESH AGRAWAL

Master Shreenabh Moujesh Agrawal is a 16-year-old innovator from Nagpur district of Maharashtra. He has many innovations to his credit. The most distinguished is the novel and effective Tridax procumbens extract. This is a low cost, eco-friendly, immune-modulatory extract to deal with the deadly Yellow Mosaic virus disease in Abelmoschus esculentus (okra) which causes 50-94% losses annually to farmers globally. His other innovations include 'Neer Setu Farming', a jute reinforced farming method to save crops from drought; 'Viyog: Grey Water Segregation for Conservation'; Triple Lock life-saving bore hole protection lid which prevents children from falling into unattended bore wells in farms and elsewhere; CENDRN, based on an innovative entropy source to prevent cyber frauds in direct benefit transfer of government sanctioned money to farmers; and Mahila-e-Haat: a gender-based e-commerce initiative.

Master Shreenabh Moujesh Agrawal is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for his excellence in the field of Innovation.

श्रीनभ मौजेश अग्रवाल

मास्टर श्रीनभ मौजेश अग्रवाल 16 साल के नवाचारक हैं और वह महाराष्ट्र के नागपुर जिले से हैं। इन्होंने कई नए अविष्कार किए हैं। इनमें से सबसे प्रतिष्ठित है नया और प्रभावशाली ट्राईडैक्स प्रोकम्बेन्स एक्स्ट्रेक्ट जो अबेल्मोस्कस एस्क्यूलेंटस (ओकरा) में यलो मोज़ेक वायरस से रक्षा करता है। यह एक कम लागत वाली, पर्यावरण के अनुकूल, घातक पीले मोजेक वायरस रोग से निपटने के लिए प्रतिरक्षा–विनियामक अर्क है। यह घातक पीले मोजेक वायरस रोग से वैश्विक स्तर पर किसानों को सालाना 50–94 प्रतिशत नुकसान होता है। इनके द्वारा किए गए अन्य अविष्कारों में 'नीर सेतु फॉरमिंग', फसलों को सूखे से बचाने के लिए एक जूट प्रबलित कृषि पद्धति; 'वियोग : ग्रे वाटर सेग्रीगेशन फॉर कान्सर्वेशन'; 'ट्रिपल लॉक' जीवन रक्षक बोर होल प्रोटेक्शन ढक्कन जो बच्चों को खेतों और अन्य जगहों पर अनजान बोर कुंओं में गिरने से रोकता है; 'सी.इ.एन.डी.आर.एन.', सरकार द्वारा किसानों को मंजूर धन के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण में साइबर धोखाधड़ी को रोकने के लिए एक इनोवेटिव एन्ट्रोपी स्रोत पर आधारित सोच; और महिला–ए–हाट : एक लिंग आधारित ई–कॉमर्स पहल शामिल हैं।

मास्टर श्रीनभ मौजेश अग्रवाल को नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

VEER KASHYAP

Master Veer Kashyap is a 10-year-old innovator from Bengaluru Urban district of Karnataka. During the COVID-19 pandemic situation that forced everyone to stay inside, he came up with a board game of his own, which he created not just to kill his own boredom but to educate and create awareness about the situation prevailing in the world. He named it the 'Corona Yuga' board game. He designed the infamous coronavirus shape on a cardboard by using materials available at home. He tested his game several times and then posted it on YouTube, where it went viral. Corona Yuga teaches about the safety guidelines to survive a pandemic by adopting behavioural change, and it is dedicated to the Covid Warriors.

Master Veer Kashyap is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for his excellence in the field of Innovation.

वीर कश्यप

मास्टर वीर कश्यप 10 साल के नवाचारक हैं और कर्नाटक के बेंगलूरु शहरी जिले से हैं। कोविड–19 महामारी के दौरान, जिसने सभी को घर के अंदर रहने के लिए मजबूर कर दिया, इन्होंने एक बोर्ड गेम का अविष्कार किया, जो न केवल अपनी खुद की बोरियत को ख़त्म करने के लिए था, बल्कि दुनिया में व्याप्त स्थिति के बारे में शिक्षित करने और जागरूकता पैदा करने के लिए भी था। वीर ने इसे 'कोरोना युग' बोर्ड गेम का नाम दिया। इन्होंने घर पर उपलब्ध सामग्री का उपयोग करके एक कार्डबोर्ड पर कुख्यात कोरोना वायरस के आकार को डिजाइन किया। इन्होंने कई बार अपने खेल का परीक्षण किया और फिर इसे यूट्यूब पर पोस्ट कर दिया और यह वायरल हो गया। कोरोना युग व्यवहार परिवर्तन को अपनाकर महामारी से बचने के लिए सुरक्षा दिशानिर्देशों के बारे में सिखाता है, और यह कोविड योद्धाओं को समर्पित है।

मास्टर वीर कश्यप को नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

SCHOLASTICS
ज्ञानार्जन

ANAND

Master Anand is a 16-year-old scholar from Kota district in Rajasthan. He was awarded the Spirit of Ramanujan Fellowship Award 2020, USA from India in class 10. His research paper on 'Sums of polynomial type exceptional units' under the supervision of Professor R Thangadurai was published in the international journal Archiv Der Mathematik (Springer) on December 10, 2019. He was the only student selected from India for the undergraduate student paper presentation in MAA Mathfest 2019 (Mathematical Association of America) Conference at Cincinnati, USA, held on August 2, 2019. He also topped the Merit List of the National Standard Exam, Indian National Mathematics Olympiad (INMO) 2020 among 45 students of India conducted by Homi Bhabha Centre for Science Education. He has been a gold medallist in several Olympiads and won numerous international and national awards.

Master Anand is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for his excellence in the field of Scholastics.

आनंद

16 वर्षीय मास्टर आनंद राजस्थान के कोटा जिले में एक विद्यार्थी हैं। इन्हें 10वीं कक्षा में यू.एस.ए. द्वारा भारत में स्पिरिट ऑफ़ रामानुजन फेलोशिप अवार्ड 2020 से सम्मानित किया गया। प्रोफेसर आर थंगादुरई की देखरेख में 'सम्स ऑफ पॉलिनोमिअल टाइप इक्सेप्शनल यूनिट्स' पर उनका शोध पत्र 10 दिसंबर, 2019 को इंटरनेशनल जर्नल आर्किव डर मैथमेटिक (स्प्रींगर) में प्रकाशित हुआ है। वे 2 अगस्त 2019 को अमेरिका के सिनसिनाटी में हो रहे एम.ए.ए. मैथफेस्ट 2019 (मैथमेटिक एसोसिएशन ऑफ अमेरिका) यू.एस.ए. कांफ्रेंस में स्नातक छात्र पेपर प्रस्तुति के लिए भारत से चुने गए एकमात्र छात्र थे। इन्होंने होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मानक परीक्षा, इंडियन नेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड (आई.एन.एम.ओ.) 2020 की मेरिट लिस्ट में भारत के 45 छात्रों में से भी सबसे ऊँची रैंक हासिल की। आनंद कई ओलंपियाड में स्वर्ण पदक विजेता रहे हैं और कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं।

मास्टर आनंद को ज्ञानार्जन के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

ANUJ JAIN

Master Anuj Jain is a 17-year-old scholar from Harda district of Madhya Pradesh. Being an all-rounder in academics, he has been conferred with medals and certificates in science, mathematics, cyber and English competitions. He holds gold, silver and bronze medals in three distinct competitions of the 13th International Earth Science Olympiad in South Korea. This achievement was the first for any Indian. He scored a 100% grade in a meteorology course by Harvard University (USA) and was also selected for the Stanford Pre-collegiate Studies of Electromagnetics in view of Advance Placement (AP) scores of 5/5 in electricity, magnetism and mechanics. Being an avid coder in Python, HTML, Java, CSS and C, he has earned a professional certificate of CS50x. He has won numerous international and national awards.

Master Anuj Jain is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for his excellence in the field of Scholastics.

अनुज जैन

मास्टर अनुज जैन मध्य प्रदेश के हरदा जिले में एक 17 वर्षीय विद्यार्थी हैं। शिक्षा के क्षेत्र में ऑलराउंडर होने के नाते, अनुज को विज्ञान, गणित, साइबर और अंग्रेजी प्रतियोगिताओं में पदक और प्रमाण पत्र प्राप्त हुए। अनुज ने दक्षिण कोरिया में 13वें इंटरनेशनल अर्थ साइंस ओलंपियाड की 3 विशिष्ट प्रतियोगिताओं में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते। यह उपलब्धि किसी भी भारतीय के लिए पहली बार थी। इन्होंने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी (यू.एस.ए.) से मौसम विज्ञान पाठ्यक्रम में 100 प्रतिशत ग्रेड स्कोर हासिल किए और वैद्युत, चुंबकत्व और यांत्रिकी में 5 में से 5 के एडवांस प्लेसमेंट (ए.पी.) स्कोर को देखते हुए, स्टैनफोर्ड प्री–कॉलेजिएट स्टडीज ऑफ इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स के लिए भी चुने गए थे। पायथन, एच.टी.एम.एल., जावा, सी.एस.एस. और सी में एक इच्छुक कोडर होने के नाते, इन्होंने CS50x का एक पेशेवर प्रमाण पत्र प्राप्त किया है। अनुज ने कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं।

मास्टर अनुज जैन को ज्ञानार्जन के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

ANVESH SHUBHAM PRADHAN

Master Anvesh Shubham Pradhan is a 14-year-old scholar from Khordha district of Odisha. Since class 1, he has been consistently performing with flying colours and has been awarded more than 200 certificates, prizes and scholarships by various reputed International, national and state level organisations like Australian Mathematics Competition, UNSW Global Australia, ANCQ, SASMO, ISFO, SEAMO, HBCSE, SOF, The Odisha State Government, DAV Olympiad, JMO, Indian Institute for Studies in Mathematics (IISM), Silver Zone, Institute For Promotion of Mathematics (IPM) and many more. He has also won numerous international and national awards.

Master Anvesh Shubham Pradhan is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for his excellence in the field of Scholastics.

अन्वेश शुभम् प्रधान

मास्टर अन्वेश शुभम् प्रधान ओडिशा के खोरधा जिले से एक 14 वर्षीय अध्येता हैं। वे कक्षा 1 से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और विभिन्न प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य स्तर के संगठनों जैसे ऑस्ट्रेलियन मैथमेटिक्स कम्पटिशन, यू.एन.एस.डब्ल्यू. ग्लोबल ऑस्ट्रेलिया, ए.एन.सी.क्यू., एस.ए.एस.एम.ओ., आई.एस.एफ.ओ., एस.ई.ए.एम.ओ., एच.बी.सी.एस.ई., एस.ओ.एफ., ओडिशा राज्य सरकार, डी.ए.वी. ओलंपियाड, जे.एम.ओ., इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर स्टडीज इन मैथमेटिक्स (आई.आई.एस.एम.), सिल्वर जोन, इंस्टीट्यूट फॉर प्रमोशन ऑफ मैथमेटिक्स (आई.पी.एम.) के द्वारा 200 से अधिक प्रमाण पत्र, पुरस्कार और छात्रवृत्ति से सम्मानित किए गए हैं। अन्वेश ने कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीते हैं।

मास्टर अन्वेश शुभम् प्रधान को ज्ञानार्जन के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

MOHD. SHADAB

Master Mohd. Shadab is a 17-year-old scholar from Aligarh district of Uttar Pradesh. He is the son of a motor mechanic and an Indian Youth Ambassador to the United States. He won a scholarship of USD 28,000 from the United States Department of State for his brilliant mind and efforts to improve the world and topped his American high school. He was selected as a social media specialist and participant in the Civic Education Workshop among 800 students from 40 countries where he got the opportunity to attend a meeting with the Senators in Capitol Hill and represent the youth of India. He has served 200+ community service hours and given 50+ presentations to promote Indian culture and values. He also started his own non-profit (Girls, Say YES) to promote women's empowerment.

Master Mohd. Shadab is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for his excellence in the field of Scholastics.

मोहम्मद शादाब

मास्टर मोहम्मद शादाब उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में रहने वाले एक 17 वर्षीय विद्यार्थी हैं। वे एक मोटर मैकेनिक के बेटे हैं और यू.एस. में एक इंडियन यूथ एंबेसडर हैं। इन्होंने अपने तेज दिमाग और दुनिया को बेहतर बनाने के प्रयासों के लिए यू.एस. के डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट से 28,000 अमरीकी डॉलर की छात्रवृत्ति जीती और अपने अमेरिकी हाई स्कूल में टॉप किया। वह 40 देशों में 800 छात्रों के बीच सिविक एजुकेशन वर्कशॉप में सोशल मीडिया विशेषज्ञ और प्रतिभागी के रूप में चुने गए थे, जहां उन्हें कैपिटल हिल में सिनेटरों के साथ बैठक में भाग लेने और भारत के युवाओं का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला। इन्होंने भारतीय संस्कृति और मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए 200 से भी ज्यादा घंटों तक सामुदायिक सेवा और 50 से भी ज्यादा प्रस्तुतियाँ दी हैं। महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए अपना खुद का गैर–लाभकारी संगठन (गर्ल्स, से यस) भी शुरू किया।

मास्टर मोहम्मद शादाब को ज्ञानार्जन के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

SONIT SISOLEKAR

Master Sonit Sisolekar is a 13-year-old scholar from Pune district of Maharashtra. The youngest volcanologist of India. Sonit has won the NASA Competition (NASA – CiS International Competition 2019) for his research at the age of 12 on the 'Possible role of ionising radiations in the reddening of Mars' soil'. He also won the One Family One Telescope Competition held by the International Astronomical Union and National Astronomical Observatory of Japan (NAOJ). He has won national level gold and bronze medals and two state level gold medals at Indian National Science and Engineering Fair (INSEF) for his research on the effects of sound pollution on plants, and the discovery of phonotropism. At the young age of nine, he published a science article on solar energy in the National Souvenir of the 24th National Children's Science Congress (NCSC) 2016. At the age of 11, he was honoured with 'The Best Scientist Award' which is usually given to the best practicing scientists, by the Rotary Club of Pune, Shivajinagar.

Master Sonit Sisolekar is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for his excellence in the field of Scholastics.

सोनित सिसोलेकर

मास्टर सोनित सिसोलेकर महाराष्ट्र के पुणे जिले से एक 13 वर्षीय अध्येता हैं। सोनित ने 12 साल की उम्र में भारत में सबसे कम उम्र के ज्वालामुखी विज्ञानी के तौर पर 'पॉसिबल रोल ऑफ आयोनीसिंग रेडिएशन्स इन द रेड्डैनिंग ऑफ मार्स सॉइल' पर अपने शोध के लिए नासा प्रतियोगिता (एन.ए.एस.ए. एण्ड सी.आई.एस. इंटरनेशनल काम्पिटिशन 2019) जीती है। सोनित ने इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल यूनियन और नेशनल एस्ट्रोनॉमिकल ऑब्ज़र्वेटरी ऑफ जापान (एन.ए.ओ.जे.) द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में एक टेलीस्कोप भी जीता है। इन्होंने पौधों पर ध्वनि प्रदूषण के प्रभावों, और फोनोट्रोपिज्म की खोज पर अपने शोध के लिए इंडिया नेशनल साइंश एण्ड इंजीनियरिंग फेयर (आई.एन.एस.ई.एफ.) में राष्ट्रीय स्तर के स्वर्ण और कांस्य पदक और दो राज्य स्तरीय स्वर्ण पदक जीते हैं। नौ वर्ष की आयु में इन्होंने 24वीं नेशनल चिल्ड्रेन्स साइंस कांग्रेस (एन.सी.एस.सी.) 2016 की राष्ट्रीय स्मारिका में सौर ऊर्जा पर एक विज्ञान लेख प्रकाशित किया। 11 वर्ष की आयु में इन्हें 'बेस्ट साइंटिस्ट अवार्ड' से सम्मानित किया गया, जो आमतौर पर रोटरी क्लब ऑफ पुणे, शिवाजीनगर द्वारा सर्वश्रेष्ठ अभ्यास करने वाले वैज्ञानिकों को दिया जाता है।

मास्टर सोनित सिसोलेकर को ज्ञानार्जन के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

SOCIAL SERVICE
समाज सेवा

PRASIDDHI SINGH

Kumari Prasiddhi Singh is a 7-year-old social volunteer from Chengalpattu district in Tamil Nadu. She is the founder of Prasiddhi Forest and has been in the India Book of Records for being the youngest fruit forest creator in the country. At a very young age, Prasiddhi created eight fruit forests in government schools and public places and planted 9,000+ trees to feed birds and squirrels and give fresh fruits to everyone. She has held 20+ global workshops, sessions and talks, and created an army of 8,000+ eco-warriors with the vision of making our planet greener. A Ridley Turtle Ambassador in Chennai, Prasiddhi has participated in and even led several biodiversity conservation initiatives like creating fruit forests, bird feeding, 3R (reduce, recover, recycle) initiatives and door-to-door seed collection. She has created and maintained a community nursery along with her eco-warrior army. Prasiddhi has reached out to 500+ children in special children's homes through weekly mindfulness and better online living sessions. Her special friends also support her with maintaining cleanliness in natural spaces.

Kumari Prasiddhi Singh is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for her excellence in the field of Social Service.

प्रसिद्धि सिंह

तमिलनाडु के चेंगलपट्टू जिले में रहने वाली 7 वर्षीय कुमारी प्रसिद्धि सिंह एक सामाजिक स्वयंसेवक हैं। वे प्रसिद्धि फोरेस्ट की संस्थापक हैं और देश में सबसे कम उम्र के फलों के वन की नियोजक होने के तौर पर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल हैं। प्रसिद्धि ने बहुत कम उम्र में, सरकारी स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों में, 8 फलों के जंगल बनाएं और पक्षियों और गिलहरियों को खिलाने और सभी को ताजे फल देने के लिए 9,000 से भी ज्यादा पेड़ लगाए। प्रसिद्धि ने 20 से भी ज्यादा वैश्विक कार्यशालाओं, सत्रों और वार्ताओं का आयोजन किया है और हमारे ग्रह को हरा–भरा बनाने की दृष्टि से 8,000 से भी ज्यादा इको–योद्धाओं की एक सेना बनाई है। साप्ताहिक सचेतन और बेहतर ऑनलाइन सत्रों के माध्यम से, 500 से अधिक विशेष बच्चों के घरों तक प्रसिद्धि अपनी पहुँच बना चुकी हैं। इनके विशेष मित्र भी प्राकृतिक स्थानों में स्वच्छता बनाए रखने में इनका साथ देते हैं।

कुमारी प्रसिद्धि सिंह को समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

SPORTS
खेल

ARSHIYA DAS

Kumari Arshiya Das is a 10-year-old sportsperson from West Tripura district of Tripura. She is the first and only girl chess player from the North East who has received an international gold medal and is also a national chess champion. Arshiya began playing chess at the age of five. In 2019, she won a gold medal in the Asian School Chess Championship at Uzbekistan and gold medal in the National School Chess Championship at Raipur in Under-9 category. She is a two-time bronze medal winner in the National Chess Championship in 2017 and 2019. She has been awarded 'Best Player of the Year' in chess for four consecutive years by Tripura Sports Journalist Club (TSJC) from 2017 to 2020. Arshiya is the youngest international rated player of the state with an ELO rating of 1053 in 2017. During lockdown, she played around 500 tournaments organised by the International Chess Federation (FIDE), All India Chess Federation and many more club tournaments, all in online mode.

Kumari Arshiya Das is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for her excellence in the field of Sports.

अर्शिया दास

कुमारी अर्शिया दास त्रिपुरा राज्य के त्रिपुरा पश्चिम जिले की 10 वर्षीय खिलाड़ी हैं। वे उत्तर पूर्व की पहली और एकमात्र बालिका शतरंज खिलाड़ी हैं, जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय स्वर्ण पदक प्राप्त किया है और राष्ट्रीय शतरंज विजेता भी रही थीं। अर्शिया ने पांच साल की उम्र से शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। 2019 में इन्होंने उज्बेकिस्तान में एशियन स्कूल चेस चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक और अंडर–9 वर्ग में रायपुर में आयोजित नेशनल स्कूल चेस चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। वे 2017 और 2019 में नेशनल चेस चैम्पियनशिप में दो बार की कांस्य पदक विजेता हैं। इन्हें 2017 से 2020 तक त्रिपुरा स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट क्लब (टी.एस.जे.सी.) द्वारा लगातार चार वर्षों तक शतरंज में 'बेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर' से सम्मानित किया गया। अर्शिया 2017 में 1053 की ई.एल.ओ. रेटिंग के साथ राज्य की सबसे कम उम्र की अंतर्राष्ट्रीय रेटिड खिलाड़ी हैं। लॉकडाउन के दौरान, इन्होंने इंटरनेशनल चेस फेडरेशन (एफ.आई.डी.ई.), ऑल इंडिया चेस फेडरेशन और कई क्लबों द्वारा आयोजित लगभग 500 टूर्नामेंट ऑनलाइन मोड में खेलीं।

कुमारी अर्शिया दास को खेल के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

KAAMYA KARTHIKEYAN

Kumari Kaamya Karthikeyan is a 13-year-old mountaineer from Mumbai. She is on a mission to become the world's youngest person to climb the highest peaks in all continents and ski to the North and South poles. She has already scaled the highest peaks in four continents and set new world records. In February 2020, she became the world's youngest girl (at 12 years) to summit Mt. Aconcagua (22,838 feet), the highest peak in South America and outside Asia and was appreciated by the Hon'ble Prime Minister on Mann Ki Baat. In June 2018, she scaled Mt. Elbrus (18,510 feet), the highest in Europe and became the world's youngest (at 10 years) to ski down from its top. In October 2017, Kaamya became Asia's second youngest girl (at 10 years) to summit Mt. Kilimanjaro (19,340 feet), the highest in Africa and in October 2018, she scaled Mt. Kosciuszko, the highest in Australia. In May 2017, Kaamya became the world's second youngest girl to reach the Everest Base Camp (17,600 feet).

Kumari Kaamya Karthikeyan is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for her excellence in the field of Sports.

काम्या कार्तिकेयन

कुमारी काम्या कार्तिकेयन मुंबई की 13 वर्षीय पर्वतारोही हैं। वे सभी महाद्वीपों के सबसे ऊँचे शिखर पर विजय प्राप्त करने वाली एवं उत्तर और दक्षिण ध्रुवों तक स्की करने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की व्यक्ति बनने के मिशन पर हैं। वे पहले ही चार महाद्वीपों की सबसे ऊँची चोटी पर पहुँचकर नए विश्व रिकॉर्ड कायम कर चुकी हैं। फरवरी 2020 में वह एशिया के बाहर दक्षिण अमेरिका की सबसे ऊँची चोटी माउंट एकॉनगुआ (22,838 फीट) को छूने वाली वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की लड़की (12 साल) बन गयीं। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 'मन की बात' पर इनकी सराहना की गई। जून 2018 में इन्होंने यूरोप की सबसे ऊँची चोटी माउंट एलब्रस (18,510 फीट) को फतह किया और चोटी से नीचे तक स्की करने वाली दुनिया की सबसे युवा लड़की (10 साल) बन गयी हैं। अक्टूबर 2017 में काम्या एशिया की दूसरी सबसे कम उम्र की लड़की बन गयीं (10 साल) जो अफ्रीका में सबसे ऊँचे शिखर माउंट किलिमंजारो (19,340 फीट) तक पहुँची। अक्टूबर 2018 में इन्होंने माउंट कोसियुस्को के शिखर को छुआ, जो कि ऑस्ट्रेलिया में सबसे ऊँचा शिखर है। मई 2017 में काम्या एवरेस्ट बेस कैंप (17,600 फीट) पर पहुंचने वाली दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की लड़की बन चुकी हैं।

कुमारी काम्या कार्तिकेयन को खेल के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

KHUSHI CHIRAG PATEL

Kumari Khushi Chirag Patel is a 15-year-old sportsperson from Ahmedabad district in Gujarat. In 2016, she became the only Indian woman to win three gold medals at the 17th Asian Roller Skating Championships held at Lishui, China. In 2018, she participated in the 18th Asian Roller Skating Championship held at South Korea in the under-19 age category and stood fourth. She also participated in the Artistic Skating World Championships held at La Vendee, France and stood at 25th position in the under-19 age category. In 2018, she received one gold and one bronze medal at the national level Artistic and Figure Roller Skating Championship in Visakhapatnam. She has won numerous more medals in skating championships at national and district levels.

Kumari Khushi Chirag Patel is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for her excellence in the field of Sports.

खुशी चिराग पटेल

कुमारी खुशी चिराग पटेल गुजरात के अहमदाबाद जिले की एक 15 वर्षीय खिलाड़ी हैं। 2016 में वे लिशुई, चीन में आयोजित 17वीं एशियन रोलर स्केटिंग चैम्पियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली एकमात्र भारतीय महिला बनीं। 2018 में इन्होंने अंडर–19 आयु वर्ग में दक्षिण कोरिया में आयोजित 18वीं एशियन रोलर स्केटिंग चैम्पियनशिप में भाग लिया और चौथे स्थान पर रहीं। इन्होंने ला वेंडी, फ्रांस में आयोजित आर्टिस्टिक स्केटिंग वर्ल्ड चैम्पियनशिप में भी भाग लिया और अंडर–19 आयु वर्ग में 25वें स्थान पर रहीं। 2018 में इन्होंने विशाखापट्नम में राष्ट्रीय स्तर पर आर्टिस्टिक एण्ड फ़िगर रोलर स्केटिंग चैम्पियनशिप में एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक प्राप्त किया। इन्होंने राष्ट्रीय और जिला स्तर पर स्केटिंग चैम्पियनशिप में कई और पदक जीते हैं।

कुमारी खुशी चिराग पटेल को खेल के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

MANTRA JITENDRA HARKHANI

Master Mantra Jitendra Harkhani is a 17-year-old *divyang* sportsperson from Rajkot district in Gujarat. In spite of having Down's syndrome, he learnt swimming and started participating in district-level inter-school competitions. He stood first at the district level, and then at the state level special Olympic tournament. This led to his selection for further national level camps. He has successfully completed five National Camps at Mumbai, Gurugram, Goa, Rajasthan and Delhi. During this phase, he won two gold medals at the national level and won his way to the World Summer Games 2019, Special Olympics held at Abu Dhabi, UAE. He was the only swimmer from Gujarat to get this distinction and won two gold medals in the 50 metres freestyle and 50 metres backstroke events.

Master Mantra Jitendra Harkhani is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for his excellence in the field of Sports.

मंत्र जितेन्द्र हरखानी

मास्टर मंत्र जितेंद्र हरखानी गुजरात के राजकोट जिले के 17 वर्षीय दिव्यांग खिलाड़ी हैं। डाउन्स सिंड्रोम होने के बावजूद, इन्होंने तैराकी सीखी और जिला–स्तरीय अंतर–स्कूल प्रतियोगिताओं में भाग लेना शुरू कर दिया। ये पहले जिला स्तर और फिर राज्य स्तर की विशेष ऑलिम्पिक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रहें। इस तरह से आगे राष्ट्रीय स्तर के शिविरों के लिए उनका चयन किया गया। इन्होंने मुंबई, गुरुग्राम, गोवा, राजस्थान और दिल्ली में सफलतापूर्वक पाँच नेशनल कैम्प पूरे किए हैं। इस दौरान, इन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर दो स्वर्ण पदक जीते और वर्ल्ड समर गेम 2019, अबू धाबी, यू.ए.ई. में आयोजित विशेष ओलंपिक तक पहुँचे। यह सम्मान पाने वाले वह गुजरात से एकमात्र तैराक थे और इन्होंने 50 मीटर फ्रीस्टाइल और 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक जीते।

मास्टर मंत्र जितेंद्र हरखानी को खेल के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

MOHAMMAD RAFEY

Master Mohd. Rafey is a 17-year-old sportsperson from Prayagraj district of Uttar Pradesh. He is an international gymnast and has won a bronze medal at the Junior Asian Cup, Mongolia in floor exercises at the artistic gymnastics event. He has won more than 50 national medals. He won three gold medals and one silver medal at the 2019 Khelo India youth games held in Pune. He won the Allahabad Best Sportsman Award 2020. He is a five-time national champion in his age category.

Master Mohd. Rafey is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for his excellence in the field of Sports.

मोहम्मद राफे

मास्टर मोहम्मद राफे उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले से 17 वर्षीय खिलाड़ी हैं। वे एक अंतर्राष्ट्रीय जिमनास्ट हैं और इन्होंने जूनियर एशियन कप में मंगोलिया में कलात्मक जिमनास्टिक स्पर्धा में फ्लोर एक्सरसाइज में कांस्य पदक जीता है। इन्होंने 50 से अधिक राष्ट्रीय पदक जीते हैं। इन्होंने पुणे में आयोजित 2019 खेलों इंडिया युवा खेलों में तीन स्वर्ण पदक और एक रजत पदक, और इलाहाबाद बेस्ट स्पोर्ट्समैन अवार्ड 2020 भी जीते हैं। वे अपनी आयु वर्ग में 5 बार के राष्ट्रीय चैंपियन हैं।

मास्टर मोहम्मद राफे को खेल के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

PALAK SHARMA

Kumari Palak Sharma is a 12-year-old sportsperson from Indore district of Madhya Pradesh. She is India's top-ranked diver and has made the country proud by winning a gold medal and two silver medals at the 10th Asian Age Group Championship in 2019. At the national level, she won two gold medals and one silver medal at the 36th Sub-junior National Aquatic Championships 2019.

Kumari Palak Sharma is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for her excellence in the field of Sports.

पलक शर्मा

कुमारी पलक शर्मा मध्य प्रदेश के इंदौर जिले की 12 वर्षीय खिलाड़ी हैं। वे भारत की शीर्ष रैंक की गोताखोर हैं और इन्होंने 2019 में 10वीं एशियन एज ग्रुप चैम्पियनशिप में एक स्वर्ण पदक और दो रजत पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है। राष्ट्रीय स्तर पर इन्होंने 36वीं सब–जूनियर नेशनल एक्वेटिक चैम्पियनशिप 2019 में दो स्वर्ण पदक और एक रजत पदक जीते थे।

कुमारी पलक शर्मा को खेल के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

SAVITA KUMARI

Savita Kumari is a 16-year-old archer from Ranchi district of Jharkhand. Coming from a humble background, with no special privileges, she has excelled in archery at every level. In 2018, she won a gold medal in the 3rd South Asian Archery Championship, Dhaka; one bronze medal in the 65th School Games Federation of India in 2020; and one silver medal in the 13th Jharkhand State Archery Championship in 2019. Girls like Savita are the pride of our nation.

Savita Kumari is being awarded the Pradhan Mantri Rashtriya Bal Puraskar 2021 for her excellence in the field of Sports.

सविता कुमारी

सविता कुमारी झारखंड के रांची जिले में रहने वाली एक 16 वर्षीय खिलाड़ी हैं। एक साधारण परिवेश से आने वाली सविता ने बिना किसी विशेष सहूलियतों के तीरंदाजी में हर स्तर पर कामयाबी हासिल की हैं। सविता ने 2018 में तीसरी साउथ एशियन आर्चरी चैम्पियनशिप, ढाका में स्वर्ण पदक, 65वें स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया, 2020 में एक कांस्य पदक और 2019 में 13वीं झारखंड स्टेट आर्चरी चैम्पियनशिप में एक रजत पदक जीता है। सविता जैसी लड़कियाँ हमारे देश का गौरव हैं।

सविता कुमारी को खेल के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।